B-3
L-30
Indian Society

08/01/2024

नगरीय समाज एवं नगरीकरण

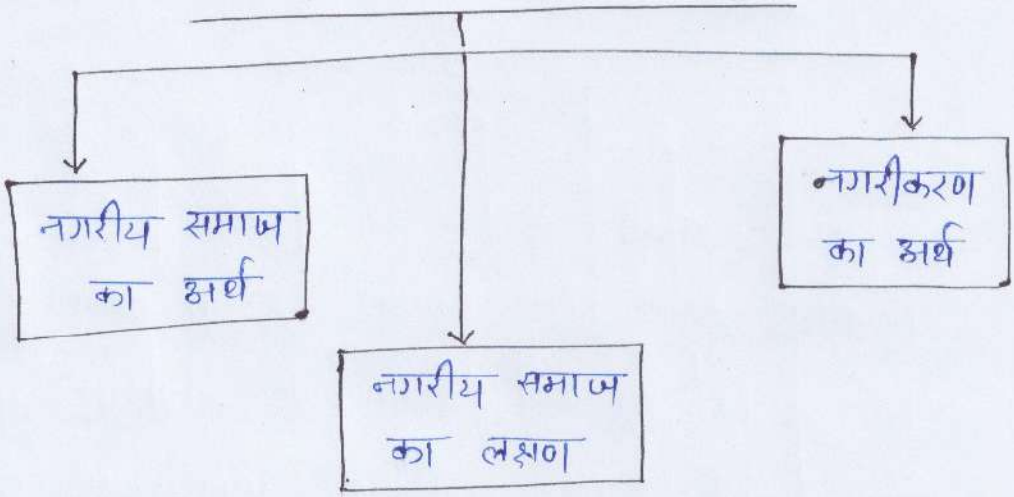

नगरीय समाज का अर्थ :-

वह समाज जो नगर की विशेषताओं से युक्त होता है तथा नगरीय जीवनशैली को जीता है, उसे नगरीय समाज कहा जाता है।

नगरीय समाज का लक्षण

उपरोक्त परिभाषा के आधार पर नगरीय समाज की संकल्पना को निम्न लक्षणों द्वारा स्पष्ट किया जा सकता है-

1. जनसंख्या का वृहद आकार एवं अधिक

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform
KHAN SIR

जनघनत्व

2. मुख्यतः गैर - कृषि कार्यों की प्रधानता

3. मुख्यतः औद्योगिक अर्थव्यवस्था, जटिल श्रम विभाजन एवं विशेषीकरण, पारस्परिक निर्भरता, विषमरूपता एवं जीवन की उच्च गुणवत्ता

4. आधुनिक शिक्षा एवं तर्क एवं विज्ञान की प्रधानता, अपरिचितता, औपचारिक एवं द्वितीयक संबंधों की प्रधानता, औपचारिक सामाजिक नियंत्रण के साधन

5. दिखावापन एवं चमक-धमक, उच्च महत्वाकांक्षा, तीव्र प्रतिस्पर्धा, व्यक्तिवादिता, एकाकीपन

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform
KHAN SIR

नगरीकरण का अर्थ

एक ऐसी प्रक्रिया जहाँ कोई ग्रामीण जनसंख्या नगरीय विशेषताओं को ग्रहण करती है या किसी देश की जनसंख्या में नगरीय जनसंख्या के अनुपात में वृद्धि होती है या नगरीय क्षेत्र का परिधि विस्तार के साथ-साथ नगरीय जीवनशैली का भी फैलाव होता है - नगरीकरण कहलाता है।

भारत में नगरीकरण

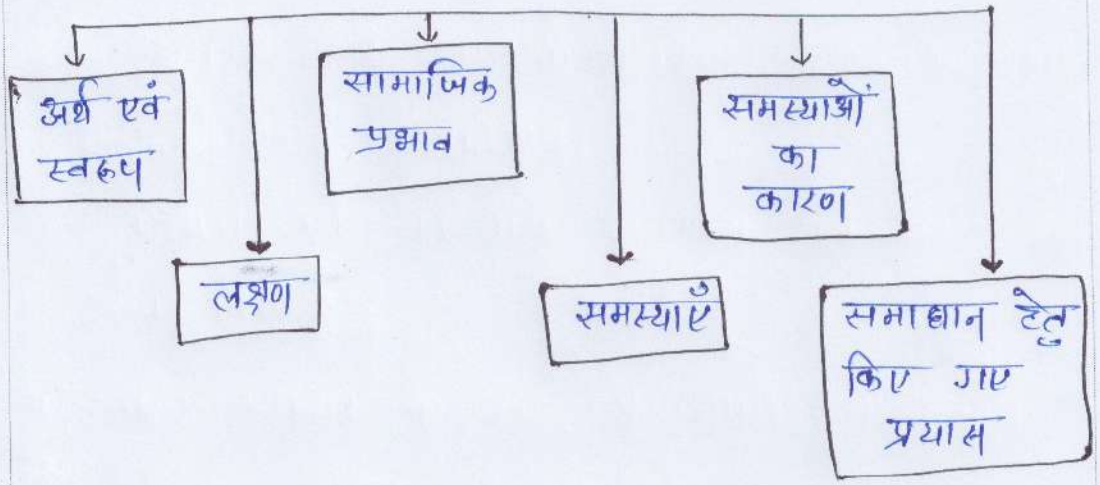

भारत में नगरीकरण का स्वरूप -

अंग्रेजी शासन काल में आधुनिक संदर्भ में नगरीकरण (मुख्यतः आधुनिक एवं पश्चिमी संस्कृति के केन्द्र के रूप में) प्रारंभ वैसे-

i) बंदरगाह नगर - कोलकाता
ii) सैनिक केन्द्र के रूप में नगर - मेरठ, आगरा,
iii) शैक्षिक केन्द्र के रूप में नगर - अलीगढ़, वनारस
iv) औद्योगिक नगर - टाटानगर

⇓

भारत में नगरीकरण के लक्षण -

1. - मुख्यतः औद्योगिक नगरों का विकास - साथ

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
Trusted Learning Platform
KHAN SIR

ही प्रशासनिक केन्द्र के रूप में नगरों का विकास

2. आधुनिक एवं पश्चिमी जीवनशैली की विद्यमानता वाले नगरों का विकास

3. 1 लाख एवं 10 लाख जनसंख्या वाले नगरों का तीव्र विकास

4. अतिनगरीकरण के रूप में नगरों का विकास

5. मुख्यतः ग्रामीण - नगरीय प्रवास के द्वारा नगरीकरण (जबकि विश्व नगरीकरण का 60% स्वाभाविक जनसंख्या वृद्धि के कारण)

6. विभिन्न राज्यों में नगरीकरण / नगरीय जनसंख्या का असमान वितरण (जैसे - गोवा, मिजोरम, तमिलनाडु, दिल्ली, चंडीगढ़, महाराष्ट्र आदि में अधिक नगरीकरण, जबकि हिमाचल प्रदेश, बिहार असम, ओडिशा आदि में कम नगरीकरण)

महत्वपूर्ण तथ्य

1. भारत के सर्वाधिक जनसंख्या वाले राज्य -
   i) - महाराष्ट्र
   ii) - उत्तरप्रदेश

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform
KHAN SIR

iii) - तमिलनाडु

iv) - पश्चिम बंगाल

2. भारत में सर्वाधिक नगरीय जनसंख्या का प्रतिशत वाला राज्य

i) - गोवा - 62.2%

ii) - मिज़ोरम - 52.1%

iii) - तमिलनाडु - 48.4%

iv) - केरल - 47.7%

v) - महाराष्ट्र - 45.2%

3. 2011 में भारतीय नगरीय जनसंख्या - 3..71 करोड़ (31.2%)

4. 2030 तक भारत की शहरी जनसंख्या का 40% होने का अनुमान - UN

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform
KHAN SIR

भारत में नगरीकरण के सामाजिक प्रभाव

नगरीकरण की प्रक्रिया ने भारतीय सामाजिक जीवन को / भारतीय समाज में नगरीय जीवनशैली के प्रसार द्वारा कई रूपों में प्रभावित किया है। जिन्हें निम्न बिन्दुओं के तहत देखा जा सकता है।

1. - महत्वाकांक्षा, व्यक्तिवादिता एवं प्रतिस्पर्धा में वृद्धि तथा नैतिकता का ह्रास
2. परिवार एवं विवाह संबंधों में समानता एवं स्वतंत्रता का विकास, संयुक्त परिवार का विघटन एवं एकाकी परिवार का विकास, विवाह विच्छेद की दर में वृद्धि आदि
3. महिलाओं की स्थिति में सुधार एवं पित्र-सत्तात्मकता कमजोर
4. जाति व्यवस्था का परम्परागत पक्ष कमजोर और जजमानी व्यवस्था लगभग समाप्त
5. प्रथा परंपरा के महत्व में कमी, नगरीय जीवनशैली का प्रसार तथा मॉल संस्कृति का विकास

KGS IAS KHAN GLOBAL STUDIES Trusted Learning Partner

7. ग्रामीण सामाजिक जीवन में भी नगरीय जीवनशैली का प्रसार

8. रोजगार के अवसरों में वृद्धि और जीवन स्तर में सुधार

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform
KHAN SIR